

॥ श्री गोस्वामी तुलसीदास कृत ॥

रामचरित-मानस (रामायण)

द्वितीय सोपान

अयोध्याकाण्ड

श्री विनायकी टीका सहित

जो

वाच्यार्थ, व्यंग्यार्थ, गूढ़ार्थपूरित, शब्दालंकार और अर्थालंकार अलंकृत तथा विविध कविवरवाणीविभूषित है.

जिसे

सागर निवासी

स्वर्गीय

साहित्य भूषण पं० विनायकराव कवि "नायक"

असिस्टेण्ट सुपरिंटेंडेंट ट्रेनिङ्ग इंस्टिट्यूशन जबलपुर ने

रच कर प्रकाशित किया

"कर्मवीर प्रेस" जबलपुर में मुद्रित हुआ।

तीसरी बार	सम्वत् १९८१	न्यौछावर
१००० प्रति	सन् १९२४ ईस्वी	१।।।)